समान्तर माध्य के गुण (Merits of Arithmetic Mean)

(1) सरलता (Simplicity) : ये समझने में सरल तथा गणना करने में सरल हैं।

(2) प्रतिनिधित्व मूल्य (Representative value) : यह सभी इकाइयों पर आधारित है। इसलिए यह सभी मदों का अधिक प्रतिनिधित्व करता है।

(3) आँकड़ों को व्यवस्थित करने की आवश्यकता नहीं होती (Arrangement of data not required)

(4) गणना में स्थिरता (Stability in Calculations) : समान्तर माध्य एक स्थिर माध्य है क्योंकि इस पर निदर्शन में होने वाले परिवर्तनों का बहुत कम प्रभाव पड़ता है।

(5) गणितीय मूल्य (Calculated Value) : समान्तर माध्य एक निश्चित संख्या होती है। इसमें अनुमान का कोई स्थान नहीं होता।

Scanned with CamScanner

(6) शुद्धता की जाँच (Accuracy Test) : समान्तर माध्य की शुद्धता की जाँच की जा सकती है।

(7) तुलना का आधार (Comparison) : स्थिर और निश्चित होने के कारण इसका प्रयोग तुलना के लिए आसानी से किया जाता है।

समान्तर माध्य के दोष (Demerits of Arithmetic Mean)

(1) यह सीमान्त मूल्यों से बहुत अधिक प्रभावित होता है।

(2) खुले सिरे वाले वर्ग आवृत्ति वितरण में समान्तर माध्य नहीं निकाला जा सकता (जैसे 10 से कम और 60 से ऊपर वर्ग) जब तक वर्गान्तर के आकार के बारे में कुछ निश्चित मान्यताएँ न बनाई जाएँ।

(3) कुछ स्थितियों में इस औसत का प्रयोग उचित नहीं रहता जैसे जनसंख्या की वृद्धि (वार्षिक) मूल्य वृद्धि आदि।

(4) ये माध्य कई बार हास्यास्पद परिणाम देते हैं, जैसे प्रति विवाहित दम्पत्ति 2.2 बच्चे कहना तार्किक नहीं है।

(5) इसका रेखाचित्रीय प्रस्तुतीकरण नहीं किया जा सकता।

Scanned with CamScanner